

prepared to do that? Last year they came down on Kutch and there was trouble in Kashmir. History will repeat itself, thanks to the impotency of this Government.....

Mr. Speaker : Order, order. That has nothing to do with this.....

Shri Hari Vishnu Kamath : Please come to the rescue of the nation, if not of Parliament.

Mr. Speaker : That is a different question. It is a very important question, no doubt, for the Government to consider, but it does not concern the proceedings before the Tribunal.

Shri Hari Vishnu Kamath : The Tribunal is sitting there. I said, in case reports such as.....

Mr. Speaker : The Tribunal has to decide the case that is presented there.

Shri Hari Vishnu Kamath : In the event of Pakistan launching an offensive..

Mr. Speaker : The Tribunal is not concerned.....

Shri Hari Vishnu Kamath : You may have your way, Sir, we will have it later on.

श्री भागवत झा आजाद : क्या सरकार को यह सूचना मिली है कि अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट के इस फैसले में देर की संभावना इसलिए है कि पश्चिम के कुछ राष्ट्रों ने और विशेषकर इंग्लैंड ने पाकिस्तान को यह आश्वासन दिया है कि वे कच्छ के संबंध में उस का पक्ष लेंगे और इसी कारण से अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट में पश्चिमी अफ्रीका के संबंध में पाकिस्तान के जफरुल्ला साहब तटस्थ रह गए ?

Shri Swaran Singh : Sir, the hon. Member must no doubt be aware that this is not before the International Court but it is before a special Tribunal and the constitution of this is entirely differ-

ent. We have no information that England has given any assurance to Pakistan of helping them, and I do not think that they will ever do any such a thing when a matter is before a Tribunal of this nature.

Shri Narendra Singh Mahida : May I know whether the Maharao of Kutch has offered his services and information to the Government and whether the Government have utilised his services and his records ?

Shri Swaran Singh : Yes, Sir, we are in touch with the Maharao of Kutch.

श्री यशपाल सिंह : सरकार ने यह साफ नहीं किया कि ताशकंद समझौते के बाद में कच्छ न्यायाधिकरण को क्या जरूरत रह जाती है और जब पाकिस्तान ताशकंद से इंकार कर रहा है, वह कहता है कि सब से पहले कश्मीर का मसला हल करेंगे उस के बाद और किसी बात पर गौर करेंगे और वह साफ कहता है कि काश्मीर के सिवाय हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के बीच में कोई प्राबलम नहीं है तो न्यायाधिकरण के पीछे इतनी फाइल इकट्ठी करने और लाखों रुपया खर्च करने का क्या मतलब है ?

Shri Swaran Singh : I do not think the Tashkent Declaration and the agreement on Kutch are mutually contradictory. In all these international agreements we should continue to honour the agreements and should not try to discard them for one reason or the other.

Broadcasts in Regional Languages

+

*722. **Shri H. C. Linga Reddy :**
Shri P. R. Chakraverti :

Will the Minister of **Information and Broadcasting** be pleased to state:

(a) whether equal opportunity is given for the broadcasting of programme from A.I.R. in all the fourteen regional languages in addition to Hindi; and

(b) if so, from when ?

The Deputy Minister in the Ministry of Information and Broadcasting (Shrimati Nandini Satpathy): (a) and (b). It has been the consistent policy of All India Radio to project through its broadcasts all the fourteen languages of the Union including Hindi. Each regional station of A.I.R. devotes the bulk of its time to broadcasts in its respective regional language(s) and gives special attention to the projection of the literary and cultural traditions of its area. Thus through the All India Radio network, all the languages of the country are being adequately reflected.

Shri H. C. Linga Reddy: May I know whether there are complaints from the South that Kannada, Telugu, Tamil and Malayalam broadcasts are not given sufficient opportunities in the AIR programmes?

Shrimati Nandini Satpathy: We have not received any such complaints. I do not know about the regional stations.

Shri H. C. Linga Reddy: May I know whether the employees, other than those who know English, in the broadcasting stations are not paid sufficiently? If so, will sufficient remuneration be paid to the other employees also?

The Minister of Information and Broadcasting (Shri Raj Bahadur): We are aware of this feeling that staff artistes or employees dealing with regional languages are not getting the same scale of emoluments as those of employees dealing with English language. This matter has to be considered.

Shrimati Jyotsna Chanda: The hon. Deputy Minister has stated just now that equal opportunities are given to all the fourteen languages. May I know whether the Government is aware that in Assam where the Bengali-speaking people are living in a good number, the Bengali programme is not given adequate importance?

Shri Raj Bahadur: The policy is that each one of the stations has to give adequate time to the respective regional languages, including such languages

and dialects as are spoken or used by significant sections of the population.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या सरकार ने कुछ इस प्रकार की जानकारी लेने का भी प्रयास किया है कि प्रादेशिक स्टेशनों से अंग्रेजी के जो कार्यक्रम प्रसारित होते हैं वे उतनी ही मात्रा में प्रसारित किए जायें जितनी कि उन क्षेत्रों में अंग्रेजी जानने वालों की संख्या हो; यदि हां, तो उस आधार पर इनको कम करके प्रादेशिक भाषाओं के कार्यक्रमों में क्या कुछ वृद्धि की गई है ?

श्री राज बहादुर : एक अल्प सूचना प्रश्न के उत्तर में एक बार मैंने निवेदन किया था कि कुल मिलाकर अगर देखें तो अंग्रेजी का प्रोग्राम सारे प्रोग्राम का तीन प्रतिशत के करीब बैठता है.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : हर स्टेशन का अलग अलग ।

श्री राज बहादुर : रिजनल स्टेशंस पर न्यूज के अलावा और टाक्स के अलावा जो आवश्यक हैं मैं समझता हूँ कि जितना हम को रिजनल लैंग्वेज को मान देना चाहिये और स्थान देना चाहिये, वह मिलता है । अंग्रेजी के प्रोग्राम कितने कम किये जा सकते हैं यह बात दूसरी है ।

श्री म० ला० द्विवेदी : श्री लिंगा रेडी ने अभी पूछा था कि प्रादेशिक भाषाओं के लोगों की जो तनख्वाहें हैं वे कम हैं मैं जानना चाहता हूँ कि क्या यह सही नहीं है कि उनकी तनख्वाहें ही कम नहीं हैं बल्कि पदों में भी झाल इंडिया रेडियो के अंग्रेजी के लोगों के जैसे एडिटर हैं, डायरेक्टर है या और बड़े-बड़े पद हैं, उन में भी भेदभाव किया जाता है और तमाम जो बड़े-बड़े पद हैं वे केवल अंग्रेजी वालों को प्राप्त हैं और प्रादेशिक भाषाओं वालों को कोई भी पद प्राप्त नहीं है और उनको निम्न स्तर का समझा जाता है ?

श्री राज बहादुर : इस प्रकार की एक भावना है लेकिन यह पूर्णतया ठीक नहीं है जो

प्रादेशिक भाषायें हैं उनके भी लोगों को आवश्यक पदों के हिसाब से उनके काम को देखते हुए पद मिलते हैं।

Shri Swell: The Minister referred to languages and dialects. In the terminology of AIR what is language and what is a dialect?

Shri Raj Bahadur: I think the dictionary meaning is quite clear about it.

श्री भागवत झा आजाद : सरकार को ऐसी कोई भी शिकायत नहीं मिली है कि मलयालम, कन्नड़, तमिल और तेलगू भाषाओं में जो आकाशवाणी कार्यक्रम प्रसारित कर रही है वे कम है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने इस सदन के एक माननीय सदस्य की शिकायत को सुना है कि इन भाषाओं में जो प्रसार किये जा रहे हैं वे बहुत कम हैं और अगर कम नहीं हैं तो क्या यह बात सच नहीं है कि इन चारों भाषाओं को कुल मिला कर जितना समय आकाशवाणी द्वारा अपने राष्ट्रीय कार्यक्रमों और क्षेत्रीय कार्यक्रमों में दिया जाना चाहिये नहीं दिया जा रहा है और उससे अधिक अंग्रेजी में दिया जा रहा है ?

श्री राज बहादुर : जहां तक विभिन्न भाषा-भाषी रेडियो स्टेशनों का सम्बन्ध है उनका मुख्य कार्य ही यही है कि वे उन भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करें और मूलतः उन्हीं भाषाओं में प्रसारित होते भी हैं। अंग्रेजी के कार्यक्रमों का अनुपात कम करना यह प्रश्न दूसरा है जिस का आवश्यकताओं के आधार पर फैसला हो सकता है, निर्णय हो सकता है।

श्री रामसेवक यादव : क्षेत्रीय भाषाओं में जो प्रसारण होते हैं, उन राज्यों में जहां जहां सिन्धी लोग बसे हुए हैं, क्या सिन्धी भाषा में भी आवश्यक प्रसारण होते हैं या नहीं होते हैं और अगर नहीं होते हैं तो क्या इनकी व्यवस्था किये जाने की भी कोई बात है ?

श्री राज बहादुर : जहां-जहां सिन्धी भाषा-भाषी नागरिकों की संख्या काफी है वहां इसकी व्यवस्था की गई है।

Shri Kapur Singh: Is it, if at all, intended to extend this principle of equal opportunity to all the fourteen languages to the principle of equal opportunity to all the political parties representing regional interests.

Shri Raj Bahadur : I think, the All India Radio is to reflect in its day-to-day programmes the culture as also purvey information not on the basis of political ideologies but as they happen and as they are needed objectively.

श्री अब्दुल गनी गोनी : रेडियो स्टेशन काश्मीर से या जम्मू से जो एनाउंसमेंट्स होते हैं वे रेडियो काश्मीर, श्रीनगर, जम्मू है इस तरह होते हैं जबकि दूसरे स्टेशनों से आल इंडिया रेडियो आलाहाबाद वगैरह कहा जाता है। मैं जानना चाहता हूँ कि श्रीनगर और जम्मू से भी इस तरह के एनाउंसमेंट्स करने के बारे में क्या सरकार ने सोचा है ताकि वहां से भी यह आल इंडिया रेडियो, श्रीनगर, या आल इंडिया रेडियो जम्मू है, की एनाउंसमेंट्स हो सकें ?

श्री राज बहादुर : यह नाम बहुत दिनों से चलता आ रहा है और हम लोगों ने..

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : गलत नाम है।

श्री राज बहादुर : इस भावना से मैं परिचित हूँ, किन्तु इसके बारे में जो कुछ निर्णय होगा वह जम्मू काश्मीर के मुख्य मंत्री की सलाह से ही किया जा सकता है।

Rural Broadcast by A. I. R., Nagpur

4

*723. **Shri Bibhuti Mishra:**

Shri K. N. Tiwary:

Will the Minister of **Information and Broadcasting** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that All India Radio, Nagpur has started rural broadcast